पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

सीट बंटवारे से नाखुश अखिलेश यादव

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 ■ अंक : 200 ■ सोमवार, 28 अक्टूबर 2024 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

/ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ विस से बालाजी किणीकर उम्मीदवार घोषित

अंबरनाथ. अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना शिंदे गुट से किसको उम्मीदवारी मिलेगी इस पर सस्पेंस अब खत्म हो चुका है। शिवसेना शिंदे गुट ने अपने 20 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है जिसमें अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र से महायुति के उम्मीदवार और वर्तमान विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के नाम की घोषणा कर दी गई है। संभवत है कि किणीकर आज नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। लेकिन क्या उनके सहयोगी भाजपा उनका कार्य करेगी इस पर अभी भी सवालिया निशान है। वहीं महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार राजेश वानखेडे आज नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

खस्ताहाल सड़कों से होगा शक्ति प्रदर्शन

आज भाजपा से कुमार आयलानी और कल राकांपा तुतारी से ओमी कालानी दाखिल करेंगे पर्चा

- क्या महायुति के नेता व कार्यकर्ता आयलानी का कार्य करेंगे
- क्या 20 वर्षों की आयलानी-कालानी की टक्कर को तीसरा तोड़ पाएगा?
- दोनों प्रत्याशियों ने टिकट मिलने का जश्न जीत जैसा मनाया

- आयलानी 2004 और 2014 में कालानी के समक्ष कर चुके हैं पराजय का सामना
- आयलानी ने 2009 और 2019 में कालानी के समक्ष दर्ज की है जीत
- कुमार उल्हासनगर से पांचवी बार मैदान में

उल्हासनगर. उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से वर्तमान विधायक कुमार आयलानी का आखिरकार नाम भाजपा द्वारा जारी उम्मीदवारों की सूची में आ ही गया है। अब यह तय है कि आगामी 20 नवंबर को होने वाले चुनाव में भाजपा की ओर से कुमार आयलानी चुनाव लड़ेंगे और राकांपा तुतारी से ओमी कालानी। यह दोनों नेता शहर की उन्हीं सड़कों से होते हुए शक्ति प्रदर्शन कर नामांकन पत्र दाखिल करेंगे जो पूरी तरह खस्ता हाल में है। इन खराब सड़कों से होते हुए यह दोनों नेता हंसते-मुस्कुराते हुए मासूम जनता से वोट की अपील करेंगे और एक बार फिर जनता इन्हीं नेताओं के चक्कर में भी आ जाएगी और इनके ताकत के प्रदर्शन में शामिल होगी. आश्चर्य की बात यह नजर आयी कि दोनों ही उम्मीदवार को जब उनके पक्ष का टिकट मिला तो दोनों ने जश्न इस तरह मनाया जैसे उन्होंने विधानसभा का चुनाव ही जीत लिया हो। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों ही उम्मीदवार को यह यकीन ही नहीं था कि उन्हें टिकट मिलेगा। लेकिन जिस तरह उन्होंने टिकट उत्सुकता का जश्न मनाया है अगर वो शहर सुधार में करते तो जनता भी चुनाव के लिए उत्सुक होती।

ज्ञात हो कि यह पांचवीं बार होगा कि कुमार आयलानी विधानसभा चुनाव मैदान में उतरे हैं। पहली बार 2004 में आयलानी ने पप्पू कालानी के सामने चुनाव लड़ा था और हारे थे. तब कालानी ने आरपीआई से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की। उसके बाद 2009 में आयलानी की पप्पू कालानी से फिर टक्कर हुई जिसमें उन्होंने पप्पू कालानी को 7538 वोटों से हराया। यह कालानी की इतिहास में पहली बड़ी हार थी। पप्पू कालानी के जेल में जाने के बाद 2014 में आयलानी की टक्कर ज्योति कालानी से हुई तब पप्पू कालानी के जेल जाने से उनको सहानुभूति के तहत 1863 वोटों से जीत मिली। लेकिन कालानी के कार्य नहीं करने से और विरोधियों की एकजुटता से 2019 में आयलानी ने ज्योति कालानी को 2004 वोटों से हराया। इस तरह इन दोनों की यह टक्कर पिछले 20 वर्षों से चलती आ रही है।

इस बार भी ओमी कालानी राकांपा की टिकट पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। ऐसे में सत्तापक्ष और वर्तमान विधायक आयलानी की स्थिति मजबूत है। क्योंकि उनके पास भाजपा का टिकट और महायुति में शामिल शिवसेना, राकांपा और आरपीआय का भी समर्थन प्राप्त है। अब देखना है कि इस लड़ाई में जीत किसकी होती है क्योंकि अब इन दोनों की टक्कर में राकांपा नेता भारत गंगोत्री जो अपक्ष के तौर पर चुनावी मैदान में उतरे हैं वो इनका गणित जरुर बिगाड़ेंगे। गैर सिंधी नेता भी मैदान में उतरकर इन तीनों नेताओं के गणित बिगाड़ने में लगे हुए हैं। उत्तर भारतीय मतदाताओं के सहारे वंचित आघाड़ी से संजय गुप्ता और मराठी भाषी मतदाताओं के सहारे मनसे से भगवान भालेराव भी चुनाव मैदान में उतर चुके हैं। इस जंग में इन पांचों के अलावा और कितने प्रत्याशी होंगे यह तो समय ही बताएगा।

■ गंगोत्री कल पर्चा भरेंगे

141 उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से राकांपा नेता भारत राजवानी (गंगोत्री) ने चुनाव मैदान में उतरने का मन बना लिया है और खबर मिली है कि वो कल मंगलवार 29 अक्टूबर को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। महायुति द्वारा उम्मीदवारी न मिलने से नाराज गंगोत्री कल शक्ति प्रदर्शन करते हुए नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। उन्होंने अपने बयान में कहा है कि शहर की खस्ता हालत के जिम्मेदार आयलानी-कालानी से जनता त्रस्त हो चुकी है और शहर में बदलाव की आवश्यकता है। शहर की मांग पर ही मैं चुनाव मैदान में उतरा हूं।

उल्हासनगर में मनसे ने भालेराव को दी उम्मीदवारी

उल्हासनगर. मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने उल्हासनगर सीट से भगवान भालेराव की उम्मीदवारी की घोषणा की. पिछली बार भालेराव ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था और उन्हें तीसरे नंबर पर वोट मिले थे.

उल्हासनगर रिपाई आठवले समूह के जिला अध्यक्ष रह चुके भगवान भालेराव ने शरद पवार, सुप्रिया सुले, जयंत पाटिल से मुलाकात की थी और उनकी उम्मीदवारी मांगी थी। लेकिन जब ऐन वक्त पर शरद पवार गुट से ओमी कालानी की उम्मीदवारी की घोषणा हुई तो भालेराव निराश हो गये. उन्होंने रविवार को मनसे के स्थानीय पदाधिकारी के साथ राज ठाकरे से मुलाकात की और अपने समर्थकों के साथ मनसे में प्रवेश किया. ठाकरे ने उल्हासनगर से भालेराव की उम्मीदवारी की घोषणा की.

भालेराव मनपा के उपमहापौर रह चुके हैं और अंबेडकरी जनता के बीच उनका दबदबा है। साल 2019 में उन्होंने उल्हासनगर सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा और 8 हजार से ज्यादा वोटों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया. कहा जा रहा है कि भालेराव की वजह से एनसीपी की ज्योति कालानी हार गईं. मनसे द्वारा भालेराव की उम्मीदवारी की घोषणा के साथ, उल्हासनगर निर्वाचन क्षेत्र में कालानी, आयलानी और भालेराव के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है।

भालेराव ने पत्रकारों से बातचीत में यह विश्वास व्यक्त किया कि कागजों पर शहर के विकास के साथ, नागरिक आयलानी-कलानी के बजाय तीसरा विकल्प चाहते हैं। इसलिए नागरिक मेरी जीत तय करेंगे।

वंचित आघाड़ी के उम्मीदवार संजय गुप्ता पर वाशी में बलात्कार का मामला दर्ज

उल्हासनगर। उल्हासनगर वंचित बहुजन विकास आघाड़ी के अधिकृत उम्मीदवार संजय गुप्ता पर नवी मुंबई के वाशी एपीएमसी पुलिस थाने में महिला पर अत्याचार का मामला 26 अक्टूबर को दर्ज किया गया है। एफआयआर नं. 0446 में भारतीय न्याय संहिता 69 के तहत यह मामला दर्ज किया गया है कि संजय गुप्ता ने 8 अगस्त 2024 को महिला पर अत्याचार किया है। जांच अधिकारी अशोक दामले ने मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में संजय गुप्ता की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है।

ज्ञात है कि वंचित आघाड़ी के अधिकृत उम्मीदवार संजय गुप्ता आज उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने वाले हैं। क्या वो नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। ऐसी चर्चा शहर में चल रही है। संजय गुप्ता भाजपा उत्तर भारतीय सेल के अध्यक्ष रह चुके हैं और विधानसभा का टिकट न मिलने के कारण उन्होंने वंचित आघाड़ी से टिकट लेकर चुनाव की तैयारी पिछले एक माह से शुरू कर दी थी। अब देखना है कि गुप्ता चुनाव लड़ते हैं या कानूनी कार्रवाई के तहत उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

चक्कीनाका में लाखों रुपये की विदेशी शराब जब्त

चुनाव आयोग की टीम ने की कार्रवाई

कल्याण. कल्याण पूर्व के चक्कीनाका इलाके में विधानसभा चुनाव की टीम ने शनिवार शाम एक वाहन से 1 लाख 10 हजार रुपये की विदेशी शराब जब्त की. गाड़ी में सवार व्यक्ति शराब की खरीद-बिक्री के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दे सका. इसलिए टीम ने आगे की जांच के लिए वाहन को राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया।

निर्वाचन विभाग की टीम शनिवार शाम कल्याण पूर्व के चक्कीनाका इलाके में संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी. इसी समय एक मोटर तेजी से गुजर रही थी। टीम ने इस मोटर को पकड़ लिया। इस कार में बडवाइज़र कंपनी की 38 इंच की बोतलें मिलीं. टीम ने गाड़ी में मौजूद व्यक्ति से इन विदेशी शराब की खरीद-बिक्री की रसीद मांगी. वाहन चालक व उसका साथी इसकी जानकारी नहीं दे सके। चूंकि इस विदेशी शराब का चुनाव कार्य में दुरुपयोग होने की आशंका है, इसलिए टीम ने तुरंत इसकी सूचना राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के उप निरीक्षक आर. डी. आव्हाड़ को दिया। कांस्टेबल वाई. के. गायकवाड़, पंच सुनील काशीवाले, रोहिदास डोक की मौजूदगी में इस विदेशी शराब से वाहन का पंचनामा किया गया. इन वाहनों को आगे की जांच के लिए चुनाव टीम द्वारा उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया। बताया जा रहा है कि इस विदेशी शराब को कार में ले जाने का काम डोंबिवली पश्चिम के देवीचापाड़ा

मुंब्रा बायपास पर 18.75 लाख की शराब जब्त

ठाणे. राज्य उत्पादन शुल्क विभाग की ओर से छापेमारी के दौरान दादरा नगर हवेली से विक्री के लिए लायी गई 18 लाख 75 हजार रुपये की शराब को मुंब्रा बायपास पर जब्त किया. विधानसभा चुनाव को लेकर जिलाधिकारी व राज्य उत्पादन शुल्क के सहायक आयुक्त के आदेशानुसार शनिवार को मुंब्रा बायपास पर टाटा के 6 चक्के की गाड़ी से शराब आने की जानकारी उत्पादन शुल्क विभाग को मिली थी।समय पर पहुंच कर 120 शराब की बोतल को जप्त किया जिसपर केवल विक्री के लिए दादरा नगर हवेली का परमिशन था।इस प्रकरण में सुरज इंदाराम मेघवाल व राम लाल डवरा राम (मेघवाल) को उत्पादन शुल्क की टीम ने गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दिया है।

अस्वच्छता फैलाने पर 80 हजार रुपए का जुर्माना

उल्हासनगर. मनपा प्रशासन ने शहर में गंदगी फैलाने वाले 46 लोगों से 20 हजार 650 रुपए दण्ड वसूली किया।

शहर में अस्वच्छता फैलाने वाले 46 नागरिकों के खिलाफ 20,650 रुपए का दंड लगाया गया है। मनपा प्रशासन की जानकारी अनुसार उन लोगों को पहले ही चेतावनी नोटिस दी जा चुकी थी। मनपा जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगले ने प्रेस नोट के माध्यम से जानकारी दी है। जानकारी के अनुसार प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग और बिक्री करने वाले 10 लोगों पर 55,000 रुपए का दंड लगाया गया तथा 49.5 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त किया गया। डेब्रिज फेंकने वाले 2 नागरिकों पर 4,000 रुपये का दंड भी लगाया गया, इस कार्रवाई में मनपा के मुख्य स्वच्छता निरीक्षक एकनाथ पवार के नेतृत्व में सभी स्वच्छता निरीक्षकों ने मिलकर कुल 79,650 रुपये का दंड वसूल किया, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गवस ने कहा की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और सभी नागरिकों से आग्रह किया कि इस अभियान में भाग लेकर शहर को स्वच्छ, सुंदर बनाने में सहयोग करें।

उल्हासनगर में अब तक 4 ने भरा पर्चा

उल्हासनगर। उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र 141 से अब तक कुल 4 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है जिसमें अमित उपाध्याय, मनोज सयानी, अनिल तोतानी, पूजा वाल्मीकि का समावेश है। नामांकन पत्र दाखिल करने की कल अंतिम तिथि है अब देखना है कि कितने उम्मीदवार इन आखरी दो दिनों में नामांकन पत्र दाखिल करते हैं। 30 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी 3 नवंबर को नाम वापस लेने की अंतिम तारीख है। इसी दिन मैदान में रुकने वाले शेष उम्मीदवारों की सूची जारी होगी। आज ज्यादातर उम्मीदवार अपना नाम दाखिल करेंगे।

अंबरनाथ रेल आरक्षण केंद्र पर गंदगी का साम्राज्य

- मुसाफिरों को हो रही भारी परेशानी

▸▸ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम स्थित रेल आरक्षण केंद्र एवं लोकल टिकट घर के गेट के सामने गत कई दिनों से टिकट घर के शौचालय का गंदा पानी, ड्रेनेज में ना जाते हुए रास्ते पर एकत्रित होकर बदबू फैला रहा था. हमने आरक्षण केंद्र में जाकर शिकायत की तो बताया गया कि स्टेशन मैनेजर से शिकायत करो. स्टेशन मैनेजर से शिकायत करने पर उन्होंने तुरंत कार्यवाही की. गंदे पानी की निकासी के लिए दो नए पाइप लगाए गए हैं. अब यहां पर गंदा पानी जमा नहीं हो रहा है, लेकिन नए पाइप के जोड़ से लगातार पानी लीकेज हो रहा है. यहां से गंदगी को भी साफ नहीं किया गया है. जिसके कारण यहां कचरे की गंदगी फैली हुई है. रेल प्रशासन स्वच्छता पर ध्यान देता है, लेकिन यहां से स्वच्छता पर कब ध्यान दिया जाएगा?

आरक्षण केंद्र पर तत्काल टिकट निकालने के लिए मुसाफिर रात भर यहां कतार में खड़े रहते हैं. गंदगी साफ नहीं किए जाने से यहां पर मच्छर, मक्खियां बहुत ज्यादा बढ़ गई है. रेल प्रशासन को यहां की स्वच्छता पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है.

संतोष शेट्टी ने शिवसेना शिंदे गुट में किया प्रवेश

- महायुति समर्थकों में भारी उत्साह
- भिवंडी पूर्व से होंगे विधायक प्रत्याशी

▸▸ उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी के तेजतर्रार जनप्रिय भाजपा नेता संतोष शेट्टी के शिवसेना एकनाथ शिंदे गट में शामिल होने से महायुति समर्थकों में भारी उत्साह व्याप्त है. संतोष शेट्टी ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद नरेश म्हस्के,पूर्व नगरसेवक मदन बुआ नाईक सहित अन्य नेताओं की मौजूदगी में शिंदे गट में प्रवेश कर भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लडने की दावेदारी ठोंकी है. भिवंडी मनपा के कार्यसम्राट पूर्व पार्षद संतोष शेट्टी के सीएम एकनाथ शिंदे गट शिवसेना से चुनाव मैदान में उतरने से चुनाव लड़ने वाले तमाम राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के माथे पर चिंता की लकीरें एवं पसीना छूटना शुरू हो गया है. संतोष शेट्टी भारी शक्ति प्रदर्शन दिखाते हुए हजारों महायुति कार्यकर्ताओं के साथ 29 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करेंगे.

भिवंडी पूर्व विधानसभा सीट से विगत 5 वर्षों से सपा के विधायक रईस शेख काबिज हैं जिन्हें सपा ने दुबारा मैदान में उतारा है. महा विकास आघाड़ी से सपा का गठबंधन अभी तक फाइनल नहीं हुआ है. शिवसेना ठाकरे गट पूर्व विधायक रुपेश म्हात्रे भी उभाटा से चुनाव लड़ने के लिए कसरत कर रहे हैं. एमआईएम द्वारा भी चुनाव लड़ने की खबर है.

देखना बेहद दिलचस्प होगा कि, 29 अक्टूबर तक होने वाले आखिरी नामांकन के दिन तक किस राजनैतिक दल का प्रत्याशी चुनाव समर की खातिर नामांकन करता है.

आचार संहिता के बाद जिले में 90.74 करोड़ का माल जब्त

ठाणे. विधानसभा चुनाव के लिए 15 अक्टूबर से आचार संहिता लागू हो गई है। इसमें राज्य और केंद्र सरकार की विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई में अवैध धन, शराब, ड्रग्स और सोने-चांदी के अवैध परिवहन से 15 से 24 अक्टूबर तक कुल 90 करोड़ 74 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 52 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गयी है. राज्य की 19 प्रवर्तन एजेंसियों ने एक दिन में 52 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की. दिन में नागपुर, मुंबई उपनगर, रत्नागिरी जिलों में कार्रवाई की गई.

मतदाताओं से आग्रह किया गया है कि अगर उन्हें आचार संहिता का कोई उल्लंघन दिखे तो वे आयोग के 'सी विजिल' ऐप पर शिकायत दर्ज कराएं। आयोग ने कहा, इन शिकायतों की जानकारी सभी प्रवर्तन एजेंसियों को दी जा रही है और जहां आवश्यक हो, वहां जब्ती की कार्रवाई की जा रही है।

1142 शिकायतों का निस्तारण

15 से 24 अक्टूबर तक सी-विजिल ऐप पर राज्य भर से कुल 1,444 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 1 हजार 142 शिकायतों का निपटारा चुनाव आयोग ने कर दिया है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने जानकारी दी है कि 99 फीसदी मामलों का निपटारा किया गया है.

चुनाव आयोग ने बुजुर्ग वोटरों को ढूंढने का चलाया अभियान

- जगह-जगह मौके पर सर्च ऑपरेशन जारी

ठाणे. लोकसभा चुनाव में 85 साल की उम्र पूरी कर चुके वरिष्ठ नागरिकों को घर से ही वोट देने की कोशिशों को कम सफलता मिलने के बाद अब चुनाव आयोग ने बुजुर्ग का घर ढूंढ़ने की मुहिम शुरू कर दी है। चुनाव आयोग ने 1999 में मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र जारी किये। जिन लोगों की उम्र उस समय 60 से 65 वर्ष थी, उनके नामों की सूची आंगनबाडी सेविकाओं को दी गयी है. उन्हें अलग-अलग विभागों में जाने और यदि वे मतदाता उसे पते पर रहते हैं, तो उनका घर पर ही मतदान फॉर्म भरना होगा। 85 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों को मतदान केंद्र पर आने की परेशानी से बचने के लिए पहले से आवेदन करना होगा।

ठाणे जिले के शहरों में लोग नौकरी और व्यवसाय में इतने व्यस्त हैं कि परिवार का कोई भी युवा ऐसा आवेदन भरने नहीं जाता है। मजेदार बात यह है कि आयोग ने आंगनबाडी सेविकाओं को जो सूची दी है, उसमें कई नामों के

आगे अनुमानित उम्र 89, 90, 96 लिखी है. दरअसल, कुछ दादाओं का निधन पंद्रह से बीस साल पहले हो चुका है।

पिछले कुछ सालों में केंद्र सरकार ने प्रत्येक व्यक्ति के आधार और पैन कार्ड को उनके बैंक खाते से जोड़ने का अभियान चलाया है। इसी तर्ज पर अगर देश भर की स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के जन्म और मृत्यु पंजीकरण डेटा को चुनाव आयोग की मतदाता सूची से जोड़ दिया जाए तो आयोग को यह जानकारी मिल जाएगी कि किस मतदाता की मृत्यु हो गई है.

नामांकन के लिए युवाओं में दिखा उत्साह

राजनीतिक दल और व्यक्तिगत स्तर पर सभी युवा अपना नाम दर्ज कराने को लेकर उत्साहित हैं. हालांकि परिवार के किसी सदस्य की मौत के बाद आयोग को इसकी सूचना देकर मृतक का नाम हटाने की जहमत कोई नहीं उठाता।

राजनीतिक दल चुनाव से पहले नये मतदाताओं का पंजीकरण कराने का दिखावा करते हैं। हालाँकि, यह अपने इलाके में निधन हो चुके व्यक्तियों की जानकारी एकत्र नहीं करता है और नाम बहिष्कार के संबंध में उनके परिवारों से आवेदन पत्र भरवाता है।

चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक, आयोग किसी व्यक्ति का नाम तब तक स्वतः बाहर नहीं कर सकता, जब तक कि उसका परिवार उसे सूचित न कर दे कि उसकी मृत्यु हो गई है। जब जन्म और मृत्यु रिकॉर्ड आयोग को उपलब्ध होंगे तो इस प्रावधान को छोड़ना होगा।

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

चार हजार तीन सौ टन उपग्रहीय कचरा

दुनिया भर में धरती पर कचरे की वजह से प्रदूषण से लेकर अन्य गंभीर समस्याएं चुनौती बनी हुई हैं। मगर यह समस्या केवल धरती तक सीमित नहीं है। मनुष्य की गतिविधियां अंतरिक्ष में भी कचरा फैला रही हैं। विडंबना यह है कि इसकी चिंता वे बड़े देश भी नहीं कर रहे जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। खासतौर पर अमेरिका, चीन, रूस और फ्रांस जैसे कुछ देशों ने जिस तरह प्रयोगों के मामले में होड़ मचाई है, उसी का नतीजा है कि आज अंतरिक्ष में हजारों टन कचरा पृथ्वी की कक्षा के लिए खतरा बन गया है।

दूसरे ग्रहों पर जीवन और पानी खोज में या एक दूसरे की जासूसी के लिए सैन्य तथा दूरसंचार उपग्रह आज भी लगातार छोड़े जा रहे हैं। चिंता की बात है कि इनमें से ज्यादातर अपना निर्धारित समय पूरा होने के बाद कबाड़ में बदल जाते हैं। पृथ्वी की कक्षा में इनके आने से स्वाभाविक रूप से जोखिम बढ़ जाता है। इस समय अंतरिक्ष में बड़ी संख्या में निष्क्रिय उपग्रह और राकेट हैं जो आपस में टकरा कर न केवल अंतरिक्ष स्टेशन, बल्कि पृथ्वी के लिए भी खतरा बन सकते हैं। इस समय चार हजार तीन सौ टन उपग्रहीय कचरा मौजूद है।

पचास के दशक में शुरू हुआ अंतरिक्ष युग का सुनहरा दौर एक बुरे सपने में बदल जाएगा, यह किसने सोचा था। पिछले दिनों एक अमेरिकी संचार उपग्रह के बीस टुकड़े में बंटने के बाद यह बहस हो रही है कि अब इसके कबाड़ का क्या होगा? अंतरिक्ष में कचरे की पहचान करना और उन्हें नष्ट करना आज भी वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। जितनी बड़ी संख्या में अंतरिक्ष कबाड़ खिसकते हुए पृथ्वी की कक्षा में चले आए हैं, वह सचमुच डरावना है। यह कचरा धरती पर गिरा तो भारी तबाही मच सकती है।

अमेरिकी संचार उपग्रह 'इंटेलसैट-33 ई' का अपनी कक्षा में टूट जाना कोई सामान्य घटना नहीं। चिंताजनक यह है कि इसके मलबे के इतने हिस्से बने होंगे कि इसको देख पाना भी मुश्किल होगा। यह अकेली घटना नहीं है। इससे पहले भेजे गए कई उपग्रह प्रयोग में आने के बाद कबाड़ हो चुके हैं। नासा का कहना है कि बीस हजार से अधिक कबाड़ पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे हैं। सवाल यह है कि जिन देशों की वजह से अंतरिक्ष में मलबा जमा हो रहा है, उनकी कोई जिम्मेदारी है कि नहीं?

चीन की आर्थिक चुनौती से भी सतर्क रहे भारत

चार वर्ष पहले जब चीनी सेना ने लद्दाख में गलवन घाटी में घुसपैठ की थी तो उसकी भारतीय सैनिकों से खूनी झड़प हुई थी। इस झड़प में 20 भारतीय सैनिक बलिदान हुए थे और चीनी सेना को भी अच्छी-खासी क्षति उठानी पड़ी थी। यह बात और है कि चीन ने यह नहीं बताया कि उसके कितने जवान भारतीय सैनिकों के हाथों मारे गए। इस घटना के बाद चीन और भारत के संबंध पटरी से उतर गए। कुछ समय बाद गलवन घाटी और आसपास तो पहली जैसी स्थिति बहाल हो गई थी, लेकिन चीनी सेना ने लद्दाख में ही अन्य स्थानों और विशेष रूप से देपसांग और डेमचोक में अतिक्रमणकारी रवैया अपना लिया। इसी कारण चीन जाने वाली अपनी विमान सेवाओं को बंद कर करने के साथ उसके खिलाफ जो अन्य कदम उठाए गए, उन्हें वापस लेने के लिए भारत तैयार नहीं हुआ। इन कदमों में चीनी निवेश पर रोक लगाना और चीनी कारोबारियों को वीजा देने के नियम सख्त करना भी था।

सीमा पर तनाव के चलते भारत और चीन में आर्थिक-व्यापारिक सहयोग की पहल भी ठंडे बस्ते में चली गई। जहां भारत का जोर इस पर था कि सीमा पर चार वर्ष पहले वाली स्थिति बहाल की जाए, वहीं चीन का आग्रह था कि सीमा विवाद भूलकर आगे बढ़ा जाए। यह चीन की चालाकी थी। भारत ने उसकी चालबाजी को समझा और अपने रवैये से टस से मस नहीं हुआ। इसी के चलते पिछले दिनों ब्रिक्स सम्मेलन के पहले चीन नियंत्रण रेखा पर चार वर्ष पहले वाली स्थिति बहाल करने को राजी हुआ और

दोनों देशों में इसे लेकर सहमति बनने की खबर आई-पहले भारत की ओर से, फिर चीन की ओर से। इस सहमति के कारण ही रूस में भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों बाद द्विपक्षीय वार्ता हुई, जिसमें सीमा पर यथास्थिति कायम रखने पर बल दिया गया। भारत-चीन में बनी सहमति को लागू करने के लिए दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। आशा है कि इसी माह के अंत तक यथास्थिति बहाल हो जाएगी।

भारत और चीन में सैन्य तनाव घटाने को लेकर जो सहमति बनी, उसे लेकर किस स्तर पर क्या बात हुई, यह तो शायद ही कभी सामने आए, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव दूर होना स्वागतयोग्य है। इसके बाद भी बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुआ जा सकता, क्योंकि चीन अपने विस्तारवादी एजेंडे के तहत रह-रहकर नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति में बदलाव की कोशिश करता रहता है। अभी यह नहीं कहा जा सकता कि वह आगे भारत को तंग करने के प्रयास नहीं करेगा। इस पर हैरानी नहीं कि सैन्य तनाव घटाने को लेकर सहमति बनने के बाद देश में यह स्वर आम है कि चीन से सावधान रहा जाना चाहिए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि नियंत्रण रेखा पर चीन इसलिए पीछे हटने को तैयार हुआ, क्योंकि उसे अपने आर्थिक हितों की रक्षा करने में कठिनाई पेश आ रही थी। चीनी कारोबारियों को भारत में निवेश करने में समस्या तो हो ही रही थी, चीन इससे भी चिंतित था कि भारत उसके विस्तारवादी एजेंडे के खिलाफ पश्चिमी देशों का सहयोग ले रहा है और उसके यहां से होने वाले आयात को कम करने की कोशिश भी कर रहा है। भारत यह कोशिश अवश्य कर रहा था, लेकिन वह उसमें बहुत सफल नहीं हो पा रहा था। तमाम उपायों के बाद भी चीन से होने वाले आयात में कमी नहीं आ पा रही थी। भारत से चीन को होने वाले निर्यात में भी कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हो पा रही थी। इसके अलावा कारोबार जगत में यह महसूस किया जा रहा था कि भारतीय उद्योगों को आगे बढ़ने के लिए चीनी निवेश का सहारा चाहिए।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि गलवन की घटना के बाद चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की तमाम बातों के बाद भी भारतीय कारोबारी चीनी कारोबारियों का सामना करने की स्थिति में नहीं आ पाए। आज शायद ही कोई भारतीय उदयोग ऐसा हो, जिसकी निर्भरता चीन से आयात होने वाले कलपुर्जों या अन्य उत्पादों पर न हो। चीन भारत के कारोबारियों की जरूरत की प्रत्येक सामग्री उपलब्ध कराने में जिस आसानी से सक्षम है, उतनी सक्षमता अन्य किसी देश में नहीं। इसी कारण भारतीय कारोबारियों को चीन पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

प्रभु सर्वज्ञ हैं, और प्रभु हर समय हमें देख रहे हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

उमर के लिए चुनौतियों से भरी राह

जम्मू-कश्मीर में लंबे समय के बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव कराए गए और वहां की जनता की चुनी हुई सरकार सत्ता में आई। यह उम्मीद की गई कि वहां अब लोकतंत्र की नई बयार बहेगी और स्थानीय लोगों को अपनी अन्य समस्याओं के साथ सबसे बड़ी चुनौती आतंकवाद से राहत मिलने का रास्ता खुलेगा। मगर जम्मू-कश्मीर में सरकार के गठन के बाद आतंकवादी संगठनों ने जिस तरह सुनियोजित तरीके से लगातार हमला करना शुरू कर दिया है, उससे ऐसा लगता है कि इन हमलों के जरिए वे यह संदेश देना चाह रहे हैं कि वहां सरकार का स्वरूप चाहे जो हो, मगर आतंकवादी उसके सामने चुनौती खड़ी करेंगे। यों प्रदेश में आतंकी हमले कभी कम कभी ज्यादा के स्वरूप में होते रहे हैं, लेकिन हाल में लगातार लक्ष्य बना कर हत्या करने से लेकर सुरक्षा बलों पर हमले जैसी कई घटनाएं सामने आईं। इससे साफ लगता है कि आतंकवादी समूह अब हताशा के गर्त में गहरे डूब कर बेलगाम हो रहे हैं।

गौरतलब है कि गुरुवार को सेना के एक वाहन पर आतंकवादियों ने घात लगा कर हमला किया, जिसमें दो जवान शहीद हो गए और उस टुकड़ी के साथ कुली का काम करने वाले दो अन्य लोगों की भी जान चली गई। कई लोगों को बुरी तरह घायल अवस्था में अस्पतालों में दाखिल कराया गया। दूसरी ओर, त्राल इलाके में एक प्रवासी मजदूर पर भी गोलीबारी की गई, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। इससे पहले हाल ही में 20 अक्तूबर को गांदरबल और 18 अक्तूबर को शोपियां में आतंकियों ने लक्षित हमले करके सात लोगों की हत्या कर दी थी।

जम्मू-कश्मीर में एक चुनी हुई

सरकार के काम करना शुरू करने के बाद हाल के कुछ दिनों के दौरान आतंकवादियों ने जिस तरह लगातार लक्ष्य बना कर प्रवासी मजदूरों के साथ-साथ वहां के स्थानीय लोगों और सुरक्षा बलों की हत्या करना तेज कर दिया है, उससे एक अलग आशंका खड़ी होती है। आतंकी संगठनों के हमले में सुरक्षा बलों की शहादत हो रही है और प्रवासी मजदूरों की जान जा रही। ऐसा करके शायद यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि प्रदेश आतंकवाद से बुरी तरह प्रभावित है और वहां के निवासी हमेशा जोखिम में हैं। हैरानी की बात यह है कि ये उन्हीं अलगाववादी संगठनों से जुड़े लोग हैं, जो वहां की आबादी के हित में लड़ाई लड़ने का दावा करते रहते हैं और स्थानीय लोगों को बरगलाने की कोशिश भी करते हैं। सवाल है कि आए दिन सुरक्षा बलों के शिविरों से लेकर अन्य राज्यों से रोजी-रोटी की तलाश में पहुंचे लोगों की हत्या करके उनका मकसद कैसे पूरा हो जाएगा या वे वहां किस तरह का भविष्य बनाएंगे!

हालांकि यह साफ है कि कश्मीर के इलाके में जैसे-जैसे उनकी जड़ कमजोर हो रही है, स्थानीय आबादी के बीच आतंकियों की जगह खत्म हो रही है और लोकतंत्र के प्रति समर्थन तेजी से बढ़ रहा है, वैसे-वैसे आतंकवादी संगठनों के बीच हताशा गहरा रही है। यह चुनावों के दौरान भी साफ दिखा कि जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी राजनीति के असर या आतंकवाद के डर को धता बता कर आम लोगों ने बढ़-चढ़ कर मतदान किया और अपनी पसंद की सरकार बनाई। अब लोगों को यह भी उम्मीद है कि नई सरकार आतंक के माहौल से भी उन्हें छुटकारा दिलाएगी। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर की सरकार सुरक्षा बलों के साथ उचित तालमेल बना कर प्रदेश में आतंकी तत्त्वों से निपटने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना और नई रणनीति पर काम करे।

क्या आप जानते हैं कि खिलाड़ी च्युइंग गम क्यों चबाते हैं?

क्रिकेट हो या फुटबॉल, आपने टीवी पर या खेल के मैदानों में जाकर कई मैचेज़ देखे होंगे. मैच के रोमांच के बीच आपने अगर खिलाड़ियों को गौर किया हो, तो एक चीज समान पाई होगी. वो ये कि खिलाड़ी च्युइंग गम चबाते हुए नजर आ जाते हैं. वो किसी भी खेल को खेल रहे हों, च्युइंग गम चबाना उनके लिए जैसे आवश्यक होता है. तो क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर इसके पीछे कारण क्या है? आखिर खिलाड़ी च्युइंग गम क्यों चबाते हैं? ये सिर्फ शौक नहीं है, इसके पीछे साइंस भी है. चलिए आपको बताते हैं.

साइंस एबीसी वेबसाइट की

जरा हट के

रिपोर्ट के अनुसार च्युइंग गम और दिमाग के फंक्शन में काफी संबंध है. जब हम कुछ चबाते हैं तब हमारे मुंह में जो रिसेप्टर्स होते हैं वो स्वाद महसूस करते हैं. इसके साथ ही वो जबड़ों के मूवमेंट से प्रेशर भी महसूस करते हैं जिससे तुरंत ही ये रिसेप्टर दिमाग में सिग्नल भेजने लगते हैं.

इसके बाद दिमाग इन सिग्नलों को डीकोड करता है. डीकोड करने की ये प्रक्रिया दिमाग को एक्टिव कर देती है. इस तरह व्यक्ति ज्यादा फोकस कर पाता है और एकाग्र हो जाता है.

जब दिमाग की हरकतें और प्रोसेस करने की क्रिया बढ़ जाती है, तब दिमाग को ज्यादा खून की जरूरत पड़ती है. इस बात को दिल पढ़ लेता है और वो दिमाग तक ज्यादा खून सप्लाई करने लगता है. खून की ज्यादा डिमांड से दिल ज्यादा तेजी से धड़कने लगता है. इस तरह मांसपेशियों को भी खून की सप्लाई बढ़ जाती है. इससे आप समझ गए होंगे कि एक च्युइंग गम चबाने से इंसान कैसे सुपर एक्टिव हो जाता है.

बस इन्हीं तथ्यों को आप खिलाड़ियों पर रखकर देखिए, आप समझ जाएंगे कि क्यों च्युइंग गम चबाना खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है. जब इंटेस खेल के दौरान खिलाड़ी च्युइंग गम चबाते हैं, तो उससे दिमाग अलर्ट हो जाता है और दिल तेज धड़कने लगता है, जिससे मांसपेशियों को भी ज्यादा खून मिलने लगता है. इस तरह खिलाड़ी गेम के ऊपर ज्यादा फोकस कर पाते हैं.

ढाबे वाले आलू गोभी

खाना-खजाना

ज्यादातर लोगों को ढाबे वाले खाने की क्रेविंग होती है। ढाबे की कुछ सब्जियां जबरदस्त लगती हैं। इनमें आलू गोभी भी शामिल है। यहां हम बता रहे हैं घर पर ढाबा स्टाइल आलू गोभी बनाने का तरीका। देखिए रेसिपी-

सामग्री :

- 4 आलू
- 1 मीडियम साइज का गोभी फूल
- 2 मीडियम साइज की प्याज
- 2 बड़े टमाटर
- आधा छोटा चम्मच जीरा
- एक तेज पत्ता
- 1 बड़ा चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- 1 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 छोटा चम्मच गरम मसाला पाउडर
- स्वाद अनुसार नमक
- एक मुट्ठी हरा धनिया
- 3 से 4 हरी मिर्च
- 1 बड़ा चम्मच सरसों का तेल

इस तरह करें तैयारी- सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले आलू को अच्छे से धो लें और फिर छील कर

एक आलू से चार हिस्से कर लें। अब गोभी को भी अच्छे से धोएं और बड़े बड़े टुकड़ों में काट लें। इसी के साथ प्याज और टमाटर को बारीक काट लें और हरी मिर्ची को बीच से काट लें। धनिया को भी बारीक काट लें और पानी से धोकर एक तरफ रख लें।

यूं बनाएं सब्जी- इसे बनाने के लिए कढ़ाई में तेल गर्म करें और फिर इसमें सबसे पहले गोभी को सेक लें। फिर एक प्लेट में निकाल लें। अब फिर से तेल गर्म करें और इसमें तेज पत्ता और जीरा डालें। 30 सेकेंड के बाद इसमें आलू डालें और इसे मिक्स करें। आलू में लहसुन-अदरक का पेस्ट डालें और फिर कुछ देर के लिए ढके और पका लें। अब इसमें प्याज डालें और अच्छे से मिक्स करें। इसे फिर से 1 से 2 मिनट के लिए ढक दें और पकने दें। जब ये पक जाए तो इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और हल्दी पाउडर अच्छे से मिक्स करें। जब मसाला पक जाए तो इसमें गोभी को मिलाएं और फिर गरम मसाला पाउडर डालें। अब इसमें हरी मिर्च डालकर मिक्स करें। अंत में इसे हरा धनिया से गार्निश करें।

दिवाली पर लक्ष्मी-गणेश जी की चौकी किस दिशा में लगाएं?

■ क्या है पूजा शुभ मुहूर्त

■ दूर करें कंफ्यूजन

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है. सनातन धर्म में यह पर्व लगातार 5 दिनों तक चलता है. इसकी शुरुआत धनतेरस से होती है. इस बार दिवाली का त्योहार 31 अक्टूबर 2024 को है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, दिवाली के दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा से घर में खुशियों का आगमन होता है. साथ ही, परिवार को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है. हालांकि, पूजा के दौरान शास्त्रों में वर्णित कुछ नियमों का पालन करना चाहिए. ऐसा ही नियम लक्ष्मी-गणेश जी की मूर्ति को लेकर भी है.

कई लोग मां लक्ष्मी-गणेश जी की मूर्तियों को किसी भी दिशा में

रख देते हैं, जोकि गलत है. ऐसा करने से जातक पर गलत प्रभाव पड़ सकता है. अब सवाल है कि आखिर दिवाली पूजा के दौरान मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा को किस दिशा में विराजमान करें? किस दिशा में लगाएं लक्ष्मी-गणेश की चौकी? दिवाली पर पूजा का शुभ क्या है? इस बारे में को बता रहे हैं प्रतापविहार गाजियाबाद से ज्योतिर्विद एवं वास्तु विशेषज्ञ राकेश चतुर्वेदी-

दिवाली पर इस दिशा में करें पूजा

राकेश चतुर्वेदी के मुताबिक, दिवाली पूजा के दौरान दिशा का विशेष ध्यान रखें. ऐसा माना जाता है कि गलत दिशा का चयन करने से जातक शुभ फल की प्राप्ति से वंचित रहता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना उत्तर या पूर्व दिशा में करना सबसे उत्तम है. ऐसा करने वाले जातकों की सभी मुरादें पूरी होती है और मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं. घर में धन-धान की कमी नहीं रहती है.

दिवाली पर ऐसे करें पूजा

मंदिर को पूर्ण रूप से व्यवस्थित और साफ करें. इसके बाद कलश को सजाएं उसमें जल, गंगाजल, सुपारी, आदि डालें. हाथ में फूल और अक्षत लेकर मां लक्ष्मी का ध्यान करें. देवी का ध्यान करते उन्हें दूध, दही, शहद, तुलसी और गंगाजल के मिश्रण से स्नान कराएं.

पूजा के लिए ऐसी मूर्ति का करें चयन

ज्योतिषाचार्य बताते है कि, पूजा के समय मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा को विराजमान करें, लेकिन एक बात का विशेष ध्यान रखें कि मूर्ति कहीं से खंडित नहीं होनी चाहिए. मां लक्ष्मी की मूर्ति आशीर्वाद की मुद्रा में होनी चाहिए. वास्तु शास्त्र के अनुसार, भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा का चयन करें, जिसमे उनकी सूंड़ बाईं ओर घूमी हुई हो.

दिवाली की डेट और शुभ मुहूर्त

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, दिवाली का पर्व कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है. अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को दोपहर 03 बजकर 12 मिनट से प्रारंभ होगी और 01 नवंबर को शाम 05 बजकर 53 मिनट तक रहेगी. दिवाली के त्योहार में उदया तिथि नहीं, बल्कि प्रदोष काल का विचार किया जाता है. प्रदोष काल 31 अक्टूबर को ही मिल रहा है, 1 नवंबर को नहीं. इसलिए दिवाली का त्योहार 31 अक्टूबर को मनाना उत्तम रहेगा.

आज का राशिफल

मेष : आपका स्वास्थ्य एकाएक खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। काम में मन नहीं लगेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

वृषभ : भाग्य का साथ मिलेगा। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें।

मिथुन : फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। जोखिम न लें।

कर्क : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह : माता या पिता के सेहत को लेकर कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कन्या : घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

तुला : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। धनहानि हो सकती है। सावधानी आवश्यक है।

वृश्चिक : वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है। भागदौड़ होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

मकर : कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें। नौकरी में चैन रहेगा।

कुंभ : नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी। कार्य में बाधा संभव है।

मीन : विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बार-बार मुरझा रहा है पौधा

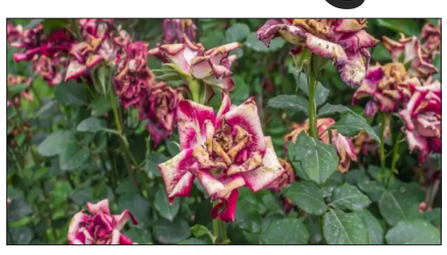

■ तो इन हैक्स की लें मदद

■ हरा-भरा हो जाएगा पूरा गार्डन

हर कोई अपने घर पौधे लगाना चाहता है. लेकिन बहुत बार लाख कोशिशों के बाद भी पौधे मुरझा जाते हैं. ऐसा होने पर कुछ टिप्स आपकी बहुत मदद कर सकते हैं. 30 सालों से पौधे की देख रेख कर रहे जानकी प्रसाद ने बताए आसान टिप्स, जिनकी मदद से आप अपने पौधों को हमेशा हरा-भरा बना सकते हैं.

■ गार्डन में इस्तेमाल होने वाले औजार

नियमित रखरखाव दिनचर्या आपके बगीचे के औजारों को अच्छी स्थिति में रखती है और उन्हें लंबे समय तक चलने में मदद करती है. औजारों को न केवल तेज होना चाहिए, बल्कि साफ और कीटाणु रहित भी होना चाहिए. ऐसे औजार जो बैक्टीरिया, फंगल या कीट संक्रमण वाले पौधों या मिट्टी के संपर्क में आते हैं. वे पूरे बगीचे में उन समस्याओं को फैला सकते हैं. प्रत्येक बागवानी सत्र के बाद अपने औजारों की देखभाल करने और अगली बार उनका उपयोग करने पर अपने बगीचे की सुरक्षा करने में केवल कुछ मिनट लगते हैं.

■ अपने पौधों को सहारा दें

सहारा देने में डंडियों को जमीन में गाड़ना और अपने फूलों के तने या बगीचे की दूसरी फसलों को कपड़े या धागे से बांधना शामिल है. आप ट्रेलिस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. अपने पौधों को सहारा देने से – जैसे कि खीरा, मिर्च या टमाटर के पौधे – तने मजबूत होते हैं. उन्हें झुकने या टूटने से बचाते हैं, जिससे वे सीधे और स्वस्थ रहते हैं.

■ खरपतवारों को नष्ट करें

खरपतवार बगीचे के लिए जानलेवा होती है. अगर आप पौधों का ख्याल और उन्हें हरा-भरा रखना चाहते हैं, तो खरपतवारों को नष्ट करते रहें. ज्यादा खरपतवार हो जाने से भी बगीचा खराब होता है.

■ होममेड लिक्विड का करें इस्तेमाल

पौधों को मुरझाने से बचाने के लिए हर पर हीं केले के पानी से लिक्विड तैयार करें. मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट्स में बहुत ज्यादा केमिकल होते हैं, जिन्हें खरीदने पर खर्चा भी होता है और पौधों को फायदा भी नहीं मिलता. गाय के गोबर को भी खाद की तरह इस्तेमाल किया सकता है.

दिवाली ग्लोअप के लिए चेहरे पर लगाएं ये 3 चीजें

■ चमचमाता दिखेगा चेहरा, फॉलो करें ये टिप्स

दिवाली का त्योहार नजदीक आ गया है. ऐसे मौके पर लोग अपने ग्लोअप के लिए तरह-तरह के फेशियल करवाते हैं और पार्लर में जाकर खूब पैसा खर्च करते हैं. हालांकि, इस खास मौके पर आप घर में ही रसोई में रखी कुछ चीजों से ही फेशियल कर सकते हैं. आज हम आपको 3 ऐसी चीजों के बारे में बताएंगे जिससे आपको कमाल का ग्लोअप देखने को मिलेगा. आइए जानते हैं यहां...

ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए आपको महंगे प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं है. कुछ घरेलू चीजें आपकी त्वचा को ग्लोइंग बना सकती हैं. यहां तीन आसान मास्क हैं जो आपको ग्लोइंग त्वचा दिला सकते हैं...

■ शहद और दही का जादू

शहद और दही का मिश्रण त्वचा को मॉइस्चराइज और ब्राइटन करता है. इस मास्क को बनाने के लिए आपको शहद और दही को मिलाकर एक पेस्ट बनाना होगा. 15-20 मिनट तक चेहरे पर अप्लाई करके रखें. इसके बाद इसे ठंडे पानी से धो लें.

■ टमाटर और नींबू का रस

टमाटर और नींबू का रस त्वचा को विटामिन सी और लाइकोपीन से भर देता है, जिससे त्वचा ग्लोइंग होती है. इस मास्क को बनाने के लिए एक कटोरी में टमाटर का रस और नींबू का रस मिलाकर एक पेस्ट बना लें. इसके बाद अपने चेहरे पर 10-15 मिनट तक अप्लाई करके रखें और ठंडे पानी से धो लें.

■ एलोवेरा और गुलाब जल

एलोवेरा जेल और गुलाब जल त्वचा को हाइड्रेट और ठंडक पहुंचाते हैं. इस मास्क को बनाने के लिए आप एलोवेरा जेल और गुलाब जल को मिलाकर एक अच्छा सा पेस्ट बना लें. 15-20 मिनट तक लगाकर रखें और पानी से धो लें. इस मास्क को लगाने से पहले अपनी त्वचा को अच्छी तरह साफ करें और मास्क को लगाने के बाद ठंडे पानी से धो लें.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

ट्रक ने पिकअप को मारी जोरदार टक्कर, ड्राइवर समेत 2 लोगों की मौत, 14 घायल

यूपी के फर्रुखाबाद से एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। जहां जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र में इटावा-बरेली मार्ग पर एक ट्रक ने पिकअप वाहन को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे पिकअप चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई जबकि 14 अन्य लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार रात की है जब पिकअप वाहन मथुरा से फर्रुखाबाद की ओर आ रहा था। इस दौरान एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल लेकर गई। जहां जहां इलाज के दौरान 50 साल के ओम प्रकाश गुप्ता और पिकअप वाहन के 45 साल के ड्राइवर की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि चालक का नाम-पता मालूम करने का प्रयास किया जा रहा है। दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। वहीं, हादसे में घायल हुए अन्य लोगों की हालत स्थिर बताई गई है। इस मामले की जांच की जा रही है।

काले जादू के लिए 4 साल की बच्ची की हत्या

बरेली. बरेली से एक सनसनीखेज मामली सामने आया है। जहां तंत्र मंत्र के चक्कर में चार साल की बच्ची की हत्या के आरोप में उसकी ताई और तांत्रिक को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक चार साल की बच्ची मिस्टी के परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने कार्यवाही की और बच्ची के शव को उसके ताई के घर से बरामद किया गया। ये घटना इज्जत नगर थाना क्षेत्र की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चार साल की मिस्टी शिकारपुर चौधरी गांव स्थित अपने घर से शनिवार को लापता हो गई थी। इस पर परिजनों ने इज्जत नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मिस्टी की ताई सावित्री ने किसी को भी अपने घर में घुसने से मना कर देती थी। जिसके बाद उसकी गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। पुलिस ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की मदद से मामले की जांच की और सावित्री के घर पर छापा मारा। जिसके बाद बोरवेल के पास एक बोरी में रखा गया मिस्टी का शव बरामद किया।

घर में घुसकर फूफा ने 9 साल की बच्ची से किया रेप, खून में लथपथ छोड़ हुआ फरार

प्रयागराज. प्रयागराज में हंडिया कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में नौ साल की बालिका के साथ उसके फूफा ने दुष्कर्म कर रिश्ते को कलंकित कर दिया। बालिका घर में अकेली थी। बालिका को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित परिवार की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति है। गांव में बीते शुक्रवार की दोपहर बालिका के माता-पिता मजदूरी करने गए थे। इसी बीच गांव का ही बालिका का फूफा घर आया। बालिका को अकेले देख दुष्कर्म किया। इसके बाद फरार हो गया। बालिका अचेत हो गई। मजदूरी कर घर लौटे परिजनों ने बेटी को खून से लथपथ देखा तो अवाक रह गए। आनन-फानन में उसे पास के निजी अस्पताल में ले गए। चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बालिका ने अपने माता-पिता को आपबीती बताई।

बांद्रा स्टेशन पर भगदड़; 9 यात्री घायल

- अस्पताल में कराए गए भर्ती

मुंबई. बांद्रा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर रविवार को भगदड़ मच गई। इस घटना में 9 लोग घायल हुए हैं। बीएमसी की ओर से बताया गया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि अत्यधिक भीड़ के चलते यह हादसा हुआ। नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रेन में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की के दौरान यह भगदड़ मची। यह घटना बांद्रा टर्मिनल के प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर सुबह 5 बजकर 56 मिनट पर हुई।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अधिकारी ने बताया कि 22921 बांद्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन पर चढ़ने के लिए यात्रियों की भारी भीड़ थी। अधिकारी ने बताया कि घायलों की पहचान हो गई है। इनमें शबीर अब्दुल रहमान (40), परमेश्वर सुखदर गुप्ता (28), रवींद्र हरिहर चूमा (30), रामसेवक रवींद्र प्रसाद प्रजापति (29), संजय तिलकराम कांगे (27), दिव्यांशु योगेंद्र यादव (18), मोहम्मद शरीफ शेख (25), इंद्रजीत सहानी (19) और नूर मोहम्मद शेख (18) शामिल हैं।

मुंबई में बांद्रा रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह गोरखपुर जाने वाली ट्रेन में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 9 लोग घायल हो गए, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। सूत्रों के अनुसार, दिवाली और छठ के आगामी उत्सवों के मद्देनजर अपने घरों की ओर जाने की योजना बना रहे लोग बड़ी संख्या में बांद्रा टर्मिनल पहुंचे। जब अनारक्षित ट्रेन को एक

प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा था तो कई यात्री उसमें चढ़ने के लिए दौड़ पड़े।

मनपा के अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह 5 बजकर 56 मिनट पर हुई। बड़ी संख्या में लोग 22921 बांद्रा-गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस पर चढ़ने के लिए बांद्रा टर्मिनल की प्लेटफॉर्म संख्या एक पर मौजूद थे। दिवाली और छठ उत्सवों के मद्देनजर मुंबई से उत्तर भारत की ओर जाने वाली रेलगाड़ियों में भारी भीड़ है। रेलवे के सूत्रों के अनुसार, सभी 22 सामान्य श्रेणी के डिब्बों वाली खाली अंत्योदय एक्सप्रेस को प्लेटफॉर्म संख्या एक पर लाया जा रहा था।

ट्रेन में चढ़ने की कोशिश के दौरान गिर पड़े यात्री

अधिकारियों के मुताबिक, स्थिति तब बिगड़ गई जब ट्रेन के इंतजार में खड़े यात्रियों ने उसमें चढ़ने की कोशिश की। रेलगाड़ी को यार्ड से प्लेटफॉर्म पर अभी लाया गया था और बोगियों के दरवाजे अंदर से बंद थे। सूत्रों ने बताया कि ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में कुछ लोग प्लेटफॉर्म पर गिर गए। शुरुआती तौर पर ऐसा लगता है कि लोग बोगियों या 2 बोगियों के बीच वाली जगह से टकराने के बाद प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े। पश्चिम रेलवे के एक सूत्र ने बताया, 'सामान्य तौर पर ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर रुकने के बाद बोगियों के दरवाजे खोले जाते हैं और फिर यात्री ट्रेन में चढ़ते हैं।'

इंद्रजीत सहनी और नूर मोहम्मद शेख की हालत गंभीर

रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के कर्मियों और स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत भाभा हॉस्पिटल भर्ती कराया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायलों में इंद्रजीत सहनी और नूर मोहम्मद शेख की हालत गंभीर है। उनका अस्पताल में उपचार हो रहा है। पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रवक्ता विनीत अभिषेक से इस मामले पर टिप्पणी प्राप्त नहीं हो पाई है। अभी तक पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना के बाद अंत्योदय एक्सप्रेस लगभग अपने निर्धारित समय पर बांद्रा टर्मिनल से आगे की यात्रा के लिए रवाना हुई।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने पर केंद्र सहमत

संसद के विंटर सेशन में प्रस्ताव लाया जाएगा; लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बना रहेगा

नई दिल्ली. केंद्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने पर सहमति बन गई है। वहीं, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बना रहेगा। नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में इससे जुड़ा प्रस्ताव लाया जाएगा।

राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 23 अक्टूबर को गृह मंत्री अमित शाह और 24 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान उमर ने पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह किया था। उन्हें इसी साल राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन मिला था।

साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35A हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था। हालिया राज्य विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने इसे दोहराया था। चुनाव के बाद गठित सरकार की पहली कैबिनेट मीटिंग में राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पास करके उप-राज्यपाल (LG) को भेजा गया था। LG मनोज सिन्हा ने 19 अक्टूबर को प्रस्ताव मंजूर करने के बाद गृह मंत्रालय को भेज दिया था।

राज्य के दर्जे की कानूनी प्रक्रिया... 2 पॉइंट

- जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया था। इसलिए पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। यह बदलाव संविधान की धारा 3 और 4 के तहत होगा।
- राज्य का दर्जा देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में नए कानूनी बदलावों का अनुमोदन जरूरी होगा, यानी संसद से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलना जरूरी है। मंजूरी के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद जिस दिन राष्ट्रपति इस कानूनी बदलाव की अधिसूचना जारी करेंगे, उसी तारीख से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा।

शेख हसीना पर चलेगा हत्या का केस?

- जांच रिपोर्ट जल्द सौंपने का आदेश
- कोर्ट ने तय की डेडलाइन

ढाका. बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। अदालत ने पुलिस को हसीना और 23 अन्य के खिलाफ दर्ज हत्या के मामले की जांच रिपोर्ट 28 नवंबर तक सौंपने का आदेश दिया। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। हत्या का यह मामला ढाका के मीरपुर में 18 वर्षीय कॉलेज छात्र की मौत को लेकर दर्ज किया गया है। छात्र की मौत छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों पर हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार की ओर से की गई कार्रवाई के दौरान हुई थी। इन प्रदर्शनों के कारण हसीनों को प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा।

77 वर्षीय शेख हसीना सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शनों के कारण 5 अगस्त को देश छोड़कर भारत चली गई थीं। डेली स्टार समाचार पत्र की खबर के अनुसार, ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद जियादुर रहमान ने 28 नवंबर तक जांच रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। मृतक के भाई ने 15 अगस्त को यह मामला दर्ज कराया था। इसमें दावा किया गया कि इस मामले के आरोपी हिंसा में सीधे तौर पर शामिल थे या उन्होंने हिंसा में सहयोग किया, जिसके कारण उसके भाई की मौत हुई व अन्य छात्र घायल हुए।

शेख हसीना के खिलाफ 225 मामले दर्ज

इस मामले में हसीना के अलावा पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान, अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर, पूर्व विधि मंत्री अनीसुल हक और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून भी आरोपी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हसीना के खिलाफ 225 मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या के 194, मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के 16 मामले, अपहरण के तीन मामले, हत्या के प्रयास के 11 मामले और 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' की रैली पर हमले के संबंध में एक मामला शामिल है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की साजिश लॉरेंस के भाई ने रची

- पुलिस बोली- कनाडा में बैठे अनमोल ने सिद्दीकी के घर की रेकी कराई थी

मुंबई. NCP नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के कनाडा में बैठे भाई अनमोल ने रची। टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया, हत्याकांड के आरोपी रामफूल कंजोइया और नितिन सप्रे से पूछताछ के दौरान अनमोल की साजिश रचने वाली बात सामने आई।

अनमोल ने एक अन्य आरोपी सुजीत सुशील सिंह उर्फ डब्बू के जरिए हमले को अंजाम दिया। उसे शुक्रवार (25 अक्टूबर) को लुधियाना से गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से हथियार भी जब्त किया गया है। डब्बू ही अनमोल और शूटर्स के बीच का लिंक था। उसने राजस्थान से हथियारों का इंतजाम कर शूटरों तक पहुंचाए थे।

12 अक्टूबर की रात को बाबा सिद्दीकी की उनके बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, लेकिन इससे एक महीने पहले डब्बू ने सिद्दीकी के घर की भी रेकी कराई थी। पुलिस को संदेह है कि अनमोल ने 3 संदिग्ध शूटर्स को स्नैपचैट के जरिए बाबा सिद्दीकी और उनके बेटे जीशान की तस्वीरें पहुंचाईं।

मुंबई पुलिस ने बताया कि शूटरों ने करजत-खोपोली रोड के पास एक जंगल में निशानेबाजी का अभ्यास भी किया था। पुलिस के मुताबिक, शूटरों ने बाबा सिद्दीकी को निशाना बनाने से पहले रायगढ़ जिले में एक झरने के पास पेड़ पर गोली चलाने की प्रैक्टिस की थी।

प्लेटफार्म टिकटों की बिक्री पर बैन

मुंबई. बांद्रा टर्मिनस पर मची भगदड़ में नौ यात्री घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ, जब यूपी के गोरखपुर जाने वाली ट्रेन में यात्री सवार होने की कोशिश कर रहे थे। इस हादसे के बाद सेंट्रल रेलवे ने त्योहारों में प्लेटफॉर्म पर होने वाली भीड़ के चलते बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, सेंट्रल रेलवे ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, दादर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, ठाणे, कल्याण, पुणे, नागपुर सहित चुनिंदा प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर बैन लगा दिया है।

मन की बात में डिजिटल अरेस्ट का जिक्र

- PM मोदी बोले- फ्रॉड कॉल आने पर रुको, सोचो और ऐक्शन लो

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 115वें एपिसोड के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने डिजिटल अरेस्ट का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा, 'डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई व्यवस्था कानून में नहीं है। ये सिर्फ फ्रॉड है, फरेब है, झूठ है। बदमाशों का गिरोह है और जो लोग ऐसा कर रहे हैं, वो समाज के दुश्मन हैं। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर जो फरेब चल रहा है, उससे निपटने के लिए तमाम जांच एजेंसियां, राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।' उन्होंने कहा कि इन एजेंसियों में तालमेल बनाने के लिए राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र की स्थापना की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'डिजिटल गिरफ्तारी

के शिकार लोगों में हर वर्ग और हर उम्र के लोग शामिल हैं। डर के कारण लोगों ने अपनी मेहनत से कमाए लाखों रुपए गंवा दिए हैं। अगर आपके पास भी कभी ऐसा कोई फोन आए तो आपको डरना नहीं चाहिए। आपको पता होना चाहिए कि कोई भी जांच एजेंसी कभी भी फोन कॉल या वीडियो कॉल पर इस तरह की पूछताछ नहीं करती है।'

पीएम मोदी ने बताए डिजिटल सुरक्षा के तीन चरण

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं आपको डिजिटल सुरक्षा के तीन चरण बताता हूं। ये तीन चरण हैं - रुको, सोचो और ऐक्शन लो। कॉल आते ही रुको, घबराएं नहीं, शांत रहें, जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं। किसी को अपनी व्यक्तिगत जानकारी न दें। संभव हो तो स्क्रीनशॉट लें और रिकॉर्डिंग जरूर करें। दूसरा चरण है- सोचो। कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर ऐसे धमकी नहीं देती। न ही वीडियो कॉल पर पूछताछ करती है, न ही ऐसे पैसे की मांग करती है। अगर डर लगे तो समझिए कुछ गड़बड़ है। तीसरा चरण - एक्शन लो। राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 डायल करें। **http://cybercrime.gov.in** पर रिपोर्ट करें। परिवार और पुलिस को सूचित करें, सबूत सुरक्षित रखें।'

इजरायली हमलों के बीच ईरान को झटका, गंभीर बीमार हुए खामेनेई

इंतकाम की आग में जल रहे इजरायल ने ईरान पर खूब बम बरसाए। बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने 100 से अधिक फाइटर विमानों को ईरान के सैन्य ठिकानों पर कहर बरपाने के लिए रवाना किया। इस बीच इजरायली हमलों से जूझ रहे ईरान को एक बुरी खबर से सामना करना पड़ रहा है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बारे में कहा जा रहा है कि वह गंभीर रूप से बीमार हैं। उनके सामने अपना उत्तराधिकारी घोषित करने की चुनौती आ खड़ी हुई है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, खामेनेई के दूसरे सबसे बड़े बेटे मोजतबा खामेनेई (55) के उनके उत्तराधिकारी बनने की संभावना है। खामेनेई की सेहत गंभीर बताई जा रही है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स भी इस बात पर विचार कर रहा है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा।

रुहोल्लाह खुमैनी की मृत्यु के बाद 1989 से खामेनेई सर्वोच्च नेता के रूप में कार्यरत हैं। पिछले साल एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद उत्तराधिकार को लेकर चिंताएं थीं। टाइम्स ने कहा कि रईसी की मृत्यु के बाद से ही संभावित उत्तराधिकार को लेकर आंतरिक बेचैनी है।

खत्म नहीं हुआ कोरोना!

- अब लॉन्ग कोविड से जूझ रहे मरीज
- डॉक्टर भी परेशान

नई दिल्ली. कोरोना अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। भारत ही नहीं दुनियाभर में कई ऐसे मरीज हैं जो कि लॉन्ग कोविड का सामना कर रहे हैं। वहीं डॉक्टरों को जांच और इलाज दोनों में मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। WHO ने कोविड 19 को ग्लोबल हेल्थ इमर्जेंसी से बाहर कर दिया है लेकिन बहुत सारे मरीजों में संक्रमण खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है।

क्या होता है लॉन्ग कोविड

लॉन्ग कोविड का मतलब होता है कि संक्रमण की वजह से शरीर के कई हिस्से प्रभावित हो जाना। लंबे समय से इन्फेक्शन के कारण शरीर में कई अन्य बीमारियां भी पैदा हो जाती हैं। इसके लक्षणों में खांसी आना, जोड़ों और मांस पेशियों में दर्द, ब्रेन फॉग और एकाग्र होने में दिक्कत होना है।

हारवर्ड मेडिकल स्कूल के अध्ययन के मुताबिक कोरोना से गंभीर रूप से संक्रिमत 31 फीसदी मरीज उत्तर अमेरिका में हैं। इसके अलावा 44 फीसदी मरीज यूरोप और अन्य एशिया में हैं। भारत में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के अध्ययन में पता चला कि ठीक होने वाले 45 फीसदी कोरोना मरीजों में लक्षण देखे जा रहे हैं। उन्हें थकान और सूखी खासी की समस्या आम है।

डॉक्टरों के सामने क्या हैं चुनौतियां

मरीज डॉक्टरों को बताते हैं कि अब उन्हें जो दिक्कतें हैं वे कोरोना होने से पहले नहीं थीं। इसमें अस्थमा जैसे हालात शामिल हैं। इसके अलावा कई लोगों को न्यूरो की समस्या होती है। हालांकि लॉन्ग कोविड को डायग्नोस करने के लिए कोई टेस्ट ही नहीं है। पुष्पावती सिंघानिया अस्पताल की सीनियर कन्सल्टेंट नीतू जैन के मुताबिक, लॉन्ग कोविड का पता लगाने के लिए कोई टेस्ट नहीं है और ऐसे में इसका इलाज भी नहीं हो पाता है।

शिव नादर यूनिवर्सिटी की एक टीम ने पता लगाया कि कोविड संक्रमण की वजह से दिमाग की कोशिकाओं में जलन होती है। माइक्रोग्लिया सेल्स में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है। ऐसे में नींद ना आना, थकान और अन्य समस्याएं हो जाती हैं।

न्यूजीलैंड से 2 टेस्ट हार चुकी टीम इंडिया पर सख्ती

रोहित-कोहली समेत टीम दिवाली पर भी ट्रेनिंग करेगी, तीसरा टेस्ट अहम

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 टेस्ट हार चुकी टीम इंडिया को दिवाली पर भी ट्रेनिंग करनी पड़ेगी। 3 टेस्ट मैचों की सीरीज में इंडियन टीम 2-0 से पीछे चल रही है। तीसरा टेस्ट मुंबई में होना है और यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के लिए अहम है।

टीम मैनेजमेंट ने कहा है कि सभी प्लेयर्स एक नवंबर से शुरू होने जा रहे मुंबई टेस्ट की तैयारियां करेंगे। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने ऑप्शनल ट्रेनिंग सेशन नहीं रखने का फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मुंबई में 30 और 31 अक्टूबर को अभ्यास करेगी, ये सेशन सभी खिलाड़ियों को अटैंड करने होंगे। रोहित, कोहली और बुमराह जैसे सीनियर प्लेयर्स को भी दीवाली में

आराम नहीं मिलेगा।

मुंबई टेस्ट वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भारतीय टीम के लिए अहम है। लगातार 2 मैच हारने के बाद इंडिया को अब अगले 6 टेस्ट में से 4 जीतने ही होंगे। 5 मैच ऑस्ट्रेलिया में हैं। ऐसे में टीम इंडिया को आखिरी मैच जीतना ही होगा। न्यूजीलैंड की टीम भारत के खिलाफ क्लीन स्वीप करने में कामयाब हो जाती है, तो WTC फाइनल में पहुंचना मुश्किल होगा।

मार्च में माफ कर दूंगा पानी के बिल : केजरीवाल

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से बड़ा वादा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि जिस किसी के भी पानी के बिल बढ़कर आ रहे हैं, वह उन सभी के बिल माफ कर देंगे। उन्होंने कहा है कि विधानसभा चुनाव के बाद अगर फिर से वह सत्ता में आते हैं तो मार्च में ही सबके बढ़े हुए पानी के बिल माफ कर देंगे। आज केजरीवाल ने दिल्ली के वजीपुर इलाके में पदयात्रा की थी। यह ऐलान उन्होंने इसी दौरान किया। उन्होंने कहा, अगर आपका पानी का बिल बढ़कर आ रहा है तो आपको भरने की ज़रूरत नहीं है।

सेक्स रैकेट चलाते हैं IPS अधिकारी

- महिला पुलिसकर्मियों की शिकायत के बाद जांच शुरू
- 7 महिला पुलिसकर्मियों ने लगाए थे गंभीर आरोप

जींद. हरियाणा के जींद में महिला पुलिसकर्मियों का पत्र सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर वायरल होने के बाद आरोपी आईपीएस अधिकारी के खिलाफ जांच शुरू हो गई है। राज्य में बीजेपी चीफ मोहन लाल बडोली ने कहा कि सरकार इस मामले की ठीक से जांच करवाएगी। सोनीपत में रिपोर्टर्स से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर एसपी सुमित कुमार दोषी पाए जाते हैं तो उनपर कड़ी कार्रवाई होगी।

सात महिला पुलिस कर्मियों ने ईमेल के जरिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, एडीजीपी और अन्य सीनियर पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखे थे। महिला पुलिसकर्मियों ने आरोप लगाया था कि एसएचओ. डीएसपी और आईपीएस अधिकारी मिलाकर हनीट्रैप और सेक्स रैकेट चलाते हैं। ये एसएचओ और डीएसपी दोनों ही महिलाएं हैं।

इस मामले को संभावने वाली फतेहाबाद की एसपी आस्था मोदी ने कहा कि 19 महिला पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए गए हैं। जां पुरी होने के बाद रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। पत्र में महिला पुलिसकर्मियों ने कहा कि एक महिला एसएचओ, डीएसपी और एक एसपी अश्लील गतिविधि में शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि जो भी पुलिसकर्मी इस उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसकी एनुअल कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट (ACR) खराब कर दी जाती है। पत्र में यह भी दावा किया गया कि एसएचओ और आईपीएस अधिकारी के बीच अवैध संबंध हैं। उन्होंने का कि एसएचओ महिला पुलिसकर्मियों को लेकर आईपीएस के पास जाती हैं और उनको सौंप देती हैं।

स्वरा भास्कर के पति ने छोड़ी सपा, शरद पवार की पार्टी से लड़ेंगे चुनाव

मुंबई. एक्ट्रेस स्वरा भास्कर के पति और समाजवादी पार्टी के नेता फहद अहमद रविवार को समाजवादी पार्टी छोड़ते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) में शामिल हो गए और उन्हें एनसीपी (अजित पवार) की सना मलिक के खिलाफ अणुशक्ति नगर सीट से मैदान में उतारा गया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, एनसीपी-एससीपी नेता जयंत पाटिल ने कहा, ₹फहद अहमद एक सुशिक्षित युवा मुस्लिम युवक हैं और उन्होंने पूरे देश में एक कार्यकर्ता के रूप में काम किया है। लोग चाहते हैं कि हम ऐसे नेताओं को मौका दें। वह पहले समाजवादी पार्टी में थे, लेकिन हमारी बातचीत हुई और वह हमारी पार्टी में आ गए। हमने उन्हें अणुशक्ति नगर निर्वाचन क्षेत्र से अपनी पार्टी से टिकट दिया।₹

फहद ने कहा कि वह एनसीपी प्रमुख शरद पवार के आभारी हैं कि उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से पूछा कि वे एनसीपी-एससीपी के उम्मीदवार के रूप में उनके नाम की घोषणा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, शरद पवार भी समाजवादी नेता हैं और मैं उनका आभारी हूं कि उन्होंने अखिलेश यादव से कहा कि वे एनसीपी-एससीपी से उम्मीदवार के तौर पर मेरा नाम घोषित करना चाहते हैं।

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

चुनाव के मद्देनजर पुलिस हुई सतर्क

भिवंडी. विधानसभा चुनाव में शांति व्यवस्था की मजबूती के लिए पुलिस ने कमर कस ली है.पुलिस उपायुक्त डॉ.मोहन दहीकर के नेतृत्व में पुलिस बल पैदल मार्च कर रहे हैं.

भिवंडी स्थित स्वर्गीय धर्मवीर आनंद दिघे चौक, कोटर गेट मस्जिद, निजामपुरा, बाजारपेठ, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक आदि परिसर में पुलिस बल ने पैदल मार्च किया. पैदल मार्च में पुलिस बल के साथ ही राज्य रिजर्व दल,केंद्रीय रिजर्व दल पुलिस, महिला पुलिस भारी संख्या में हाथ में शस्त्र लेकर सहभागी हुए.

सीट बंटवारे से नाखुश अखिलेश यादव

- **महाराष्ट्र में 20 सीटों पर लड़ेगी सपा**

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एमवीए के सीट बंटवारे से सपा चीफ अखिलेश यादव खुश नहीं बताए जा रहे हैं। असल में सपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी ने शनिवार को एमवीए गठबंधन से पार्टी के लिए पांच सीटें मांगी थीं। लेकिन महाविकास अघाड़ी गठबंधन के कर्ताधर्ता उनकी बातों पर कुछ ठोस जवाब नहीं दे रहे हैं। आजमी के मुताबिक अखिलेश यादव की नाराजगी की वजह इसी को बताया जा रहा है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 288 सीटों पर चुनाव होना है। एमवीए के तीन प्रमुख दलों, कांग्रेस, शिवसेना-यूबीटी और एनसीपी शरद पवार के हिस्से 85-85 सीटें आई हैं। इस तरह 255 सीटों पर बात हो चुकी है। बाकी 33 सीटों के लिए अन्य छोटे सहयोगी दलों से चर्चा की बात सामने आई थी।

अब सपा के अबू आसिम आजमी का कहना है कि उनकी पार्टी एमवीए के रवैये से खुश नहीं है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक आजमी ने बताया कि शिवसेना यूबीटी ने धुले सिटी से अनिल गोटे को उम्मीदवार बना दिया। यह उन पांच सीटों में से एक थी, जो सपा मांग रही थी। आजमी के मुताबिक इससे अखिलेश यादव

नाराज हैं। एमवीए द्वारा हमारी रिक्वेस्ट मानने पर अब पार्टी प्रदेश की 20 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। उन्होंने कहाकि अगर इन विधानसभा क्षेत्रों में सेकुलर वोटों में बंटवारा होता है तो एमवीए के शीर्ष नेता इसके लिए जिम्मेदार होंगे।

सपा ने पहले ही पांच सीटों, धुले सिटी, मालेगांव सेंट्रल, भिवंडी ईस्ट, भिवंडी वेस्ट और मानखुर्द शिवाजी नगर के लिए उम्मीदवारों को एबी फॉर्म बांट दिए हैं। मानखुर्द शिवाजी नगर से खुद आजमी सिटिंग विधायक हैं। वहीं, भिवंडी ईस्ट से रियास शेख पार्टी के विधायक हैं। इन सभी पांच सीटों पर अल्पसंख्यक वोटरों का दबदबा है। ऐसे में सपा को लगता है कि वह इन सीटों पर आसानी से जीत हासिल कर सकती है। मालेगांव सेंट्रल से सपा ने शान-ए-हिंद नेहाल अहमद और धुले से इरशाद जागीरदार को उम्मीदवार बनाया है। इन दोनों ने पुष्टि कर दी है कि उन्हें एबी फॉर्म मिल चुका है और वो 29 अक्टूबर को नामांकन करेंगे।

गौरतलब है कि हाल ही में महाराष्ट्र के दौरे पर पहुंचे अखिलेश यादव ने मालेगांव आउटर और धुले सिटी में चुनावी रैली की थी। आजमी ने कहाकि हम एमवीए के नेताओं से लंबे अरसे से गुहार लगा रहे हैं। हम कांग्रेस नेताओं की तरह नहीं हैं जो आए दिन दिल्ली पहुंचकर शीर्ष नेताओं से सीट शेयरिंग पर बात करते रहें। चुनाव करीब आ रहे हैं, अब हम और इंतजार नहीं कर सकते। आजमी ने यह भी याद दिलाया कि सपा पहले 12 सीटों की मांग कर रही थी। लेकिन यहां से वह पांच सीटों पर आ गई है।

ठाणे में फटाकों के आवाज की जांच

- **महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडल ने किया फटाकों के आवाज का निरीक्षण**

ठाणे. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल व ठाणे महानगर पालिका और पुलिस की ओर से फटाकों के आवाज का निरीक्षण किया गया।दीपावली पर्व के अवसर पर बाजार में विक्री के लिए आये हुए फटाकों की ध्वनि प्रदूषण की आकांशा को लेकर शहर में स्थित रायला देवी तालाब पर फटाकों को फोड़ कर जांच किया गया।दीपावली पर्व पर नागरिक बड़े पैमाने पर आतिशबाजी कर पर्व का आनंद लेते हैं।इससे वातावरण में बड़े पैमाने पर ध्वनि प्रदूषण फैलता है।इस पर नियंत्रण रखने के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से हर साल बाजार में विक्री के लिए आये हुए फटाकों की तीव्रता की जांच की जाती है।हर साल की तरह इस साल भी फटाकों को फोड़कर उसके तीव्रता की जांच डिसेबल मशीन से किया गया।सरकार ने 125 डेसिबल से अधिक आवाज वाले फटाकों पर प्रतिबंध लगाया है।ऐसे फटाकों को फोड़ने पर ध्वनि प्रदूषण फैलता है।इन फटाकों को फोड़ते समय महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडल प्रादेशिक अधिकारी आनंद काटोले, उप प्रादेशिक अधिकारी स्नेहा कांबले, ठाणे महानगर पालिका पर्यावरण विभाग विद्या सावंत, प्रदूषण मंडल स्मिता सानप, सुवर्णा जाधव, वागले इस्टेट पुलिस के एच आर भांगे, संस्था के संदेश बोरकर आदि उपस्थित थे।

जांच के लिए आये हुए फटाका

स्मॉल क्रॅकर्स, बाबा, सद्दाम, व्होल्व्हो, मिनी विल्कोकॅनो, कमांडो बॉम्ब, बर्डस, बिग क्रॅकर्स, डिस्को फ्लॅश, डबल साऊंड, शताब्दी एक्सप्रेस,1000 लाईट्स, क्रॅकिंग पीकॉक डान्स, हेलस, स्टॅंडर्ड ॲटम बॉम्ब, हुलक, पोपेयी, क्रवेन द हंटर, गॅलेक्सी 25 शॉट्स मल्टी कलर, अँग्री बर्ड,22 शॉट का समावेश था।
नागरिक कम और ग्रीन टैग के फटाकों को फोड़कर पर्व मनाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी आनंद कटोले ने आवाहन किया।साथ ही यह भी कहा कि 125 डिसेबल से अधिक आवाज वाले फटाकों को फ़ोडने पर पुलिस मामला दर्ज कर सकती है इसलिए इसका ध्यान रखें।दीपावली के तीन दिन पहले से ही शहर के 10 प्रमुख चौराहे पर फटाकों के आवाज की जांच डिसेबल मशीन से जांच की जाएगी।

शिवसेना (उबाठा) की तीसरी लिस्ट में 5 नाम, 85 प्रत्याशी घोषित

- **अब तक 85 उम्मीदवारों का ऐलान**
- **MVA में 288 में से 223 कैंडिडेट घोषित**

मुंबई. शिवसेना उद्धव गुट ने शनिवार देर रात पांच और उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। पार्टी ने हारुन खान को वर्सोवा, संजय भालेराव को घाटकोपर (पश्चिम) और संदीप नाइक को विले पार्ले से मैदान में उतारा है।

इनमें से वर्सोवा और घाटकोपर पश्चिम सीट पर कांग्रेस और NCP (SP) ने अपना दावा पेश किया था। वहीं, दहिसर सीट से शिवसेना (UBT) नेता अभिषेक घोसालकर के पिता विनोद घोसालकर को टिकट दिया गया है। 8 फरवरी, 2024 की रात पूर्व पार्षद अभिषेक घोसालकर की गोली मार कर हत्या की गई थी। घटना के दौरान वे फेसबुक पर लाइव थे। हमला करने वाले आरोपी मॉरिस नरोन्हा ने भी खुद को 4 गोलियां मारकर आत्महत्या कर ली थी।

उद्धव चाहते थे कि दहिसर सीट से अभिषेक की पत्नी तेजस्विनी चुनाव लड़ें। अभिषेक के पिता और पूर्व विधायक विनोद घोसालकर भी इसी सीट से टिकट मांग रहे थे। इसी वजह से इस सीट को होल्ड कर रखा गया था। इसके अलावा लिस्ट में 5वां नाम भैरुलाल चौधरी जैन का है। उन्हें मलाबार हिल विधानसभा से उतारा गया है।

महायुति में 288 में से अब तक कुल 223 कैंडिडेट का नामों का ऐलान हो चुका है। बाकी बचे उम्मीदवारों को लेकर तीनों पार्टियों में खींचतान चल रही है।

दूसरी लिस्ट में 15 नामों का ऐलान किया था

शिवसेना (UBT) ने शनिवार सुबह 15 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की थी। इसमें शिवडी विधानसभा से अनिल चौधरी को उम्मीदवार बनाया गया था। यहां से लालबाग राजा मंडल के मानद सचिव सुधीर साल्वी भी टिकट मांग रहे थे, लेकिन अनिल चौधरी का नाम फाइनल हुआ।

शिवसेना (UBT) अब तक कुल 85 उम्मीदवारों का ऐलान किया है। MVA के सीट शेयरिंग के तहत उद्धव गुट, NCP शरद गुट और कांग्रेस 85-85 सीटों पर लड़ेगी।

छूरा और चाकू के साथ 4 गिरफ्तार

भिवंडी. पुलिस की सख्त निगरानी और चेक पोस्ट्स पर तैनाती के बावजूद 4 संदिग्धों को छुरे और चाकू के साथ घूमते हुए गिरफ्तार किया गया. एक व्यक्ति तड़ीपार था, जो बिना अनुमति के शहर में दाखिल हुआ था.भोईवाड़ा पुलिस ने इरफान इलियास अंसारी नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो 17 जनवरी 2023 से ठाणे, पालघर, मुंबई और रायगढ़ जिलों से निष्कासित था.पुलिस के अनुसार, इरफान एक धारदार छुरा

लेकर संदिग्ध अवस्था में घूमता पाया गया. भिवंडी में दाखिल होने और हथियार रखने के आरोप में उसे तुरंत गिरफ्तार कर उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है. टावरे स्टेडियम के पास पुलिस ने सोमानगर निवासी मोहम्मद वकार जुल्फिकार अंसारी को लकड़ी के मूठ वाले चाकू के साथ पकड़ा.कल्याण रोड गोवे नाका पर कोनगांव पुलिस ने अरुण उमराव बेलदार को चाकू के साथ घूमते हुए पकड़ा. राजनोली नाका पर मकसूद नुरूद्दीन आलम को भी देर रात संदिग्ध अवस्था में गिरफ्तार किया गया.पुलिस के अनुसार, मकसूद किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था. पुलिस का कहना है कि आदर्श आचार संहिता के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

सर्वकष स्वच्छता अभियान का आयोजन

ठाणे. मनपा की ओर से वागले प्रभाग समिती के अंतर्गत सर्वकष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में उपायुक्त शंकर पाटोले व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राणी शिंदे के उपस्थिति में अधिकारी व कर्मचारियों ने स्वच्छता का शपथ ग्रहण किया। रोड न.22 सर्कल से परब वाडी, कशिश पार्क, मॉडेला मिल चेक नाका, शिवाजी नगर, किसन नगर एक, दो, तीन, पडवल नगर, रोड न.16, परिसर में स्वच्छता अभियान किया गया।

हत्या के आरोपी को उम्र कैद

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. मामूली विवाद को लेकर साल 2017 में धारदार हथियार से विकास शामबहादुर उपाध्याय (21)नामक युवक की हत्या कापरबावड़ी पुलिस थाने के हद में घटी थी।इस जघन्य हत्या के मामले की सुनवाई न्यायाधीश सिरसीकर ने शुरू किया।न्यायालय में मिले सबूतों के आधार पर आरोपी सुरज प्रदीप जायसवाल 29 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।साल 2017 में आरोपी सूरज प्रदीप जायसवाल ने विकास शंबबहादुर उपाध्याय का हत्या कर दिया था।इस हत्या के प्रकरण में कापरबावड़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था।जिसका जांच वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बारवरकर व उनकी टीम ने सारे सबूत को इकट्ठा कर न्यायालय में जमा किया।सरकारी वकील रश्मी क्षीरसागर ने आरोपी के खिलाफ में सारे सबूत न्यायालय में पेश किया।न्यायालय ने सबूतों के आधार पर न्यायाधीश सिरसीकर ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

भिवंडी पश्चिम से दयानंद चोरघे को कांग्रेस का टिकट मिलते ही बवाल शुरू

- **कांग्रेसियों ने जताई भारी नाराजगी**
- **कांग्रेस आलाकमान से उम्मीदवार को फौरन बदलने की मांग**

भिवंडी. भिवंडी पश्चिम विधानसभा सीट से कांग्रेस आलाकमान द्वारा दयानंद चोरघे को प्रत्याशी घोषित किए जाते ही भिवंडी में बवाल शुरू हो गया है. कांग्रेस पदाधिकारी,पूर्व नगरसेवक एवं कार्यकर्ता आलाकमान के निर्णय से काफी आहत एवं नाराज हो गए हैं.अल्पसंख्यक बहुल शहर में लोकसभा के बाद अब विधानसभा सीट भी अल्पसंख्यक समुदाय को नहीं दिए जाने से कांग्रेसियों में भारी नाराजगी फैली है. कांग्रेस से प्रबल दावेदार पूर्व महापौर विलास पाटिल भी टिकट नहीं मिलने से काफी नाराज दिखाई पड़े.कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने नाराजगी का इजहार करते हुए कहा कि, आलाकमान को निर्णय बदलना चाहिए.शहर के बाहरी पैराशूट प्रत्याशी दयानंद चोरघे का प्रचार,समर्थन कतई नहीं किया जाएगा.

गौरतलब हो कि, भिवंडी पश्चिम सीट से कांग्रेस प्रत्याशी दयानंद चोरघे के नाम का ऐलान होने के बाद कांग्रेसियों में भारी नाराजगी फैली है. कांग्रेस द्वारा अन अपेक्षित रूप से प्रत्याशी के तौर पर भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र निवासी दयानंद चोरघे के नाम का ऐलान होते ही कांग्रेस से टिकट पाने के प्रबल

दावेदार पूर्व महापौर विलास पाटिल,पूर्व विधायक रशीद ताहिर मोमिन,प्रदेश जनरल सेक्रेट्री तारिक फारूकी,डा.नूरुद्दीन अंसारी, तलहा मोमिन आदि भारी सकते में आ गए हैं.कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने दयानंद चोरघे को बाहरी पैराशूट प्रत्याशी करार देते हुए सपोर्ट नहीं किए जाने का ऐलान कर प्रत्याशी चौगुले को भारी मुश्किल में डाल दिया है. अर्ध रात्रि को हजारों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष एड रशीद ताहिर मोमिन के आवास पर एकत्रित होकर दयानंद चोरघे को प्रत्याशी घोषित करने पर भारी नाराजगी जताते हुए आलाकमान से निर्णय पर दुबारा विचार कर अल्पसंख्यक समुदाय अथवा पार्टी के किसी भी नेता को प्रत्याशी बनाए जाने की मांग की है.जिलाध्यक्ष मोमिन ने बैठक कर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की नाराजगी से पार्टी प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले को अवगत कराने का भरोसा दिया है.

विदित हो कि, मुस्लिम बहुल भिवंडी पश्चिम विधानसभा में जहां कांग्रेस की काफी बेहतर स्थिति होने के बाद कांग्रेस कोई बेहतर प्रत्याशी देने में असफल साबित हुई है.सर्वसम्मत मुस्लिम प्रत्याशी नहीं देने से शुरू कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की नाराजगी से कांग्रेस को नुकसान होने के संभावना है.

भिवंडी पश्चिम सीट से 10 वर्षों से विधायक भाजपा प्रत्याशी महेश चौगुले 7 दिन पूर्व ही कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव प्रचार कार्य में जुट कर काफी आगे निकल चुके हैं. कांग्रेस प्रत्याशी दयानंद चोरघे भी कुछ समर्थकों को लेकर नाराज कांग्रेसियों को मनाने में जुटे हैं. निष्ठावान कांग्रेसियों को भरोसा है कि,नामांकन की आखिरी तारीख 29 अक्टूबर तक अल्पसंख्यक सीट पर कांग्रेस आलाकमान प्रत्याशी बदले जाने का निर्णय जरूर लेगा.

भिवंडी में मोबाइल फोन चोरी के संदेह में एक की हत्या

- **पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया**

भिवंडी. ठाणे-भिवंडी में शांतिनगर पाइपलाइन के पास मिले शव की पहचान हो गई है और शांतिनगर पुलिस की जांच में पता चला है कि मोबाइल फोन चोरी के शक में उसकी हत्या की गई थी. शांतिनगर पुलिस इस मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है. पुलिस ने आरोपियों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है. भिवंडी के शांतिनगर पाइपलाइन के पास शनिवार को एक युवक का शव मिला।

पुलिस उसकी पहचान करने में सफल रही है और उसका नाम मोहम्मद रहमत शाह आलम (20) है. वह मूल रूप से कोलकाता के रहने वाले हैं। छह माह पहले वह काम के सिलसिले में भिवंडी आया था. भिवंडी के सलयोग नगर में रहने वाले मोहम्मद अरमान के एक साथी का मोबाइल फोन चोरी हो गया. उस वक्त उन्होंने मोहम्मद रहमत शाह आलम को खोजा. इस दौरान आलम के पास चार से पांच मोबाइल फोन मिले.

इसमें अरमान के साथियों के मोबाइल फोन भी शामिल थे. इसलिए, अरमान और उसके साथियों ने मोबाइल फोन चोरी के संदेह में बुधवार को गोविंदनगर के पाइपलाइन रोड इलाके में मोहम्मद रहमत शाह आलम को लकड़ी के डंडे और हाथ से बेरहमी से पीटा। पुलिस जांच में सामने आया है कि इसी पिटाई में उसकी मौत हुई है. पुलिस ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और अन्य आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की टीमें उत्तर प्रदेश और बिहार गई हैं.

पैप्स पर भड़के रणबीर कपूर

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और उनकी पत्नी आलिया भट्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान के बर्थ डे डिनर के लिए आलिया भट्ट और रणबीर को एक साथ देखा गया। इस वीडियो में रणबीर को पैप्स के ऊपर गुस्सा करते देखा जा सकता है। दरअसल, रणबीर और आलिया अपनी गाड़ी की ओर बढ़ रहे होते हैं कि तभी सभी पैप्स उनके आसपास आ जाते हैं। ऐसे में रणबीर को गुस्सा होते देखा जा सकता है।

दरअसल, रणबीर और आलिया अपनी कार की ओर बढ़ रहे होते हैं कि तभी कुछ पैप्स को उनकी कार के दरवाजे के पास खड़ा देखा जा सकता है। ऐसे में रणबीर गुस्सा हो जाते हैं। वो गुस्से में पूछते हैं कर क्या रहे हो आप लोग? क्या कर रहे हो? इसके बाद, रणबीर किसी एक पैप को कार के दरवाजे के पास से हटाने के लिए उनका हाथ पकड़ते हैं और कहते हैं गेट आउट।

रणबीर की इस वीडियो पर इंस्टाग्राम यूजर्स ने भी रिएक्ट किया है। वीडियो पर कमेंट कर कुछ लोग पैप्स को गलत बता रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों ने कहा कि रणबीर कपूर काफी रूड हो गए। एक इंस्टाग्राम यूजर ने पैप्स की गलती को बताते हुए लिखा- यार, आप लोग उनके चेहरे में घुसे जा रहे हो। हमने देखा है उन्हें, हमें पता है वो कैसे दिखते हैं। हमें उनके जीवन की हर छोटी-छोटी अपडेट नहीं लेनी है। वहीं, एक दूसरे यूजर ने लिखा कि अपनी पत्नी के लिए इतना प्रोटेक्ट कोई भी होगा। पैप्स लोगों को काफी परेशान करते हैं। कुछ लोग जहां पैप्स की गलती दे रहे हैं। वहीं, कुछ लोग रणबीर को गलत बता रहे हैं। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा फिल्म होती है तो मीडिया से चिपक कर रहता है। और अब देखो। वहीं, एक दूसरे यूजर ने लिखा कि एनिमल फिल्म के बाद रणबीर कुछ ज्यादा ही अपने आप को बनने लगे हैं।

भिवंडी में दीवार ढहने से युवक की मौत

भिवंडी. भिवंडी में चावल मिल की दीवार ढह जाने से 24 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित चावल मिल की दीवार की ईंटें हटाने के लिए चढ़ा था, तभी अचानक दीवार ढह कर उसके ऊपर गिर गई। उन्होंने बताया कि भिवंडी के अमनेपाड़ा इलाके में स्थित चावल मिल में 24 अक्टूबर को यह घटना हुई थी, जिसके बाद घायल अजय राजू मोरे को कल्याण के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और एक दिन बाद उनकी मौत हो गई।

राजमिस्त्री पर हमला

कल्याण. महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक व्यक्ति को 26 वर्षीय राजमिस्त्री पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि राजमिस्त्री के अपनी पत्नी को कैद से रिहा करने के लिये कहने पर आरोपी ने हमला किया।

अधिकारी ने पीड़ित द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि आरोपी ने कुछ दिन पहले डोंबिवली इलाके से महिला (राजमिस्त्री की पत्नी) का कथित तौर पर अपहरण कर लिया था और जब पीड़ित ने आरोपी से पत्नी को छोड़ने के लिए कहा तो उसने उस पर पर हमला कर दिया। मनपाड़ा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने गुस्से में आकर धारदार हथियार से राजमिस्त्री पर हमला कर दिया, जिससे उसके पेट, हाथ और गर्दन पर चोटें आईं। पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099